आईपीएल में हैदराबाद की बल्लेबाजी सबसे मजबूत

नई दिल्ली, 23 मार्च आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स दो ऐसी टीमें हैं, जिनकी चर्चा हर क्रिकेट फैन के बीच हो रही है. दोनों टीमों के पास शानदार खिलाड़ी हैं और मैच जिताने की क्षमता भी, लेकिन कुछ अहम उनके अभियान को प्रभावित कर सकती हैं.

इस सीजन में जहां हैदराबाद की कमान ईशान किशन के हाथों में है, वहीं कोलकाता अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है. हैदराबाद की टीम इस बार अपनी बल्लेबाजी के दम पर सबसे खतरनाक नजर आ रही है. टीम के पास शीर्ष क्रम से लेकर निचले क्रम तक ऐसे बल्लेबाज हैं, जो किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं. ईशान किशन, ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी तेज शुरुआत देने में सक्षम है. इसके बाद मध्यक्रम में हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जो तेजी से रन बनाने के साथ-साथ मैच को खत्म करने की क्षमता रखते हैं. हैदराबाद की ताकत सिर्फ बड़े नाम नहीं हैं, बल्कि उनकी बल्लेबाजी की गहराई है. टीम के पास इतने विकल्प हैं कि कुछ अच्छे खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में जगह तक नहीं बना पा रहे. यही कारण है कि यह टीम बड़े स्कोर खड़े करने और किसी भी लक्ष्य का पीछा करने में सक्षम मानी जा रही है. अगर यह बल्लेबाजी यूनिट लय में आ जाती है, तो विपक्षी टीमों के लिए इन्हें रोकना बेहद मुश्किल होगा.

हालांकि, हैदराबाद की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है. पैट कमिंस के चोटिल होने के बाद टीम का तेज आक्रमण कमजोर नजर आ रहा है. अब ईशान मलिंगा, ब्रायडन कार्से और जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाजों पर जिम्मेदारी होगी, लेकिन इन खिलाड़ियों में वह निरंतरता अभी तक नहीं दिखी है, जो एक चैंपियन टीम के लिए जरूरी होती है. स्पिन विभाग में भी कुछ विकल्प हैं, लेकिन वह विपक्षी टीमों पर दबाव बनाने के लिए पर्याप्त नहीं लगते.

कोलकाता की बल्लेबाजी भी कागजों पर मजबूत नजर आती है. रिंकू सिंह, फिन एलेन, टिम सीफर्ट और राहुल त्रिपाठी जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूती देते हैं. खासतौर पर रिंकू सिंह डेथ ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और कई बार टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाल चुके हैं. लेकिन कोलकाता की सबसे बड़ी चिंता उनकी तेज गेंदबाजी है. टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज चोट के कारण बाहर हैं, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया है. आकाश दीप और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ी पूरे सीजन से बाहर हैं, जबकि कुछ विदेशी गेंदबाजों की उपलब्धता भी स्पष्ट नहीं है. ऐसे में टीम को अपने सीमित विकल्पों के साथ ही मैदान में उतरना होगा. इसके अलावा, टीम चयन भी कोलकाता के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है. कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो अच्छे हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में सभी को जगह देना संभव नहीं है. विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन को लेकर भी टीम को संतुलन बैठाना होगा, जो आसान नहीं होगा. दोनों टीमों के पास इस सीजन में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है, लेकिन उनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे अपनी कमजोरियों को कितनी जल्दी सुधार पाते हैं.

अनाहत-अभय ने जीते स्क्वैश के खिताब

मुंबई, 23 मार्च शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट का अपना महिला खिताब बरकरार रखा, जबकि अभय सिंह ने पुरुष वर्ग के चैंपियन बने.

सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में स्क्वैश रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत सिंह ने मिस्र की दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी हाना मोअताज़ को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा. खिताब जीतने के बाद अनाहत ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने पहले दो गेम में अच्छा खेला; तीसरे गेम में मैं थोड़ी भटक गई थी. मैं इस बात से उत्साहित थी कि मैं जीत रही हूं. लेकिन जब गेम के बीच में मेरे कोच मेरे पास आए, तो मैंने उनसे बात की, और उन्होंने मुझसे अच्छी शुरुआत करने पर ध्यान देने को कहा, क्योंकि यह जरूरी था कि गेम पांचवें सेट तक न जाए. मैंने चौथे सेट की शुरुआत अच्छी की, और मुझे खुशी है कि मैं इसे जीत पाई.'

उन्होंने कहा, 'मैं खुद से कहती हूं कि फोकस करो, क्योंकि मेरा फोकस बहुत आसानी से हट जाता है.

अल्काराज टूर्नामेंट से बाहर, अंतिम-16 में सबालेंका

फ्लोरिडा (अमेरिका), 23 मार्च 2026 मियामी ओपन 2026 में इस बार कई बड़े उलटफेर देखने को मिल रहे हैं, जहां एक ओर दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो रहे हैं, वहीं कुछ खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं.

रविवार को खेले गए मुकाबलों में सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब स्पेन के स्टार खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया. वहीं, बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अंतिम-16 में जगह बना ली. पुरुष एकल वर्ग में सबसे चर्चित मुकाबला अल्काराज और कोर्डा के बीच रहा.

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज को 36वीं रैंकिंग वाले कोर्डा के खिलाफ 6-3, 5-7, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा. यह मुकाबला दो घंटे 19 मिनट तक चला और इसमें उतार-चढ़ाव भरपूर रहे. कोर्डा ने पहले सेट में आक्रामक खेल दिखाते हुए बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी करते हुए मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया. हालांकि, तीसरे सेट में कोर्डा ने संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाकर जीत अपने नाम कर ली. इस हार के बाद अल्काराज ने स्वीकार किया कि वह सही दिशा में हैं, लेकिन उन्हें अपने खेल में और सुधार की जरूरत है. वहीं, कोर्डा ने इस जीत को अपने करियर के बड़े पलों में से एक बताया और कहा कि उन्होंने दबाव के बावजूद अपना आत्मविश्वास नहीं खोया.

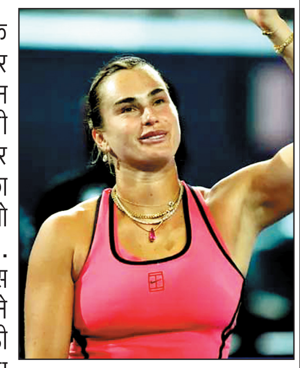

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एक बार फिर अपने दमदार खेल का प्रदर्शन किया. उन्होंने अमेरिका की कैटी मैकनैली को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया. सबालेंका की यह लगातार आठवीं जीत है, जो उनके शानदार फॉर्म को दर्शाती है. उनका लक्ष्य इस साल इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों खिताब जीतने का है, जो अब तक बहुत कम खिलाड़ी ही हासिल कर पाई हैं. सबालेंका का अगला मुकाबला चीन की झेंग किनवेन से होगा, जिन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन कीज को हराकर बड़ा उलटफेर किया. झेंग के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि उन्होंने लंबे समय बाद किसी शीर्ष-20 खिलाड़ी को हराया है. हालांकि, सबालेंका के खिलाफ उनका रिकॉर्ड कमजोर रहा है, जिससे यह मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है.

एक नजर में

धोनी का क्यूट अंदाज वायरल वीडियो

नई दिल्ली. आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के कैंप से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है. टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस वीडियो में युवा बल्लेबाज सरफराज खान के छोटे बेटे के साथ खेलते हुए नजर आ रहे हैं. धोनी का यह सादा और क्यूट अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं. यह वीडियो सरफराज खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें धोनी बच्चे के साथ बेहद सहज और मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं. कभी वह गेंद उछालते दिखते हैं तो कभी बच्चे के साथ हंसते-खेलते नजर आते हैं. मैदान पर अपने शांत और गंभीर स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले धोनी का यह अलग रूप फैंस को खासा पसंद आया है.

न्यूजीलैंड शुरु करेगा एनजेड 20 लीग

वेलिंग्टन. न्यूजीलैंड ने घरेलू और विश्व क्रिकेट के टी-20 प्रारुप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए फ्रैंचाइजी आधारित एनजेड 20 लीग शुरु करने की घोषणा की है. न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) की हुई बैठक में विचार विमर्श के बाद घरेलू टी-20 प्रारुप के भविष्य के लिए सुपर स्मैश की जगह एनजेड 20 को अपना पसंदीदा विकल्प चुना है. बोर्ड ने अपनी नई

फ्रैंचाइजी आधारित टी20 लीग 'एनजेड20' शुरू करने का फैसला किया. बोर्ड का मानना है कि इससे घरेलू और युवा क्रिकेटरों को लाभ होगा. बोर्ड की चेयरपर्सन डायना पुकेटापु-लिंडन ने कहा, 'प्रस्तावों की खूबियों पर विस्तार से चर्चा हुई, और बोर्ड इस नतीजे पर पहुंचा कि अब हमारे 21 साल पुराने सुपर स्मैश टूर्नामेंट को फिर से जिंदा करने का सही समय है. शुरुआती एनजेड 20 प्रस्ताव में कई बदलावों की जरूरत होगी, खासकर नए टूर्नामेंट में महिलाओं के खेल की स्थिति के संबंध में.' उन्होंने कहा कि बोर्ड का मानना है कि एनजेड 20 लीग न केवल आर्थिक रूप से बोर्ड को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि युवा क्रिकेटरों को भी अपना प्रतिभा दिखाने के लिए वर्ल्ड क्लास मंच प्रदान करेगी. इस नई फ्रैंचाइजी लीग का न्यूजीलैंड महिला टीम की सोफी डिवाइन, ब्रूक हॉलीडे तथा अन्य खिलाड़ियों ने समर्थन किया है.

अक्षर को नहीं है पसंद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम

नयी दिल्ली. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल का कहना है ऑलराउंडरों के योगदान को सीमित करने वाला 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम उन्हें व्यक्तिगत तौर पर पसंद नहीं हैं. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले बात करते हुए, अक्षर ने टीम में अपनी भूमिका के बारे में बताया और यह स्पष्ट किया कि पिछले सीजन में उनकी गेंदबाजी में कमी की वजह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं था. पटेल ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं (हंसते हुए),' अक्षर ने जवाब दिया, जब उनसे इस नियम के बारे में पूछा गया, जो आईपीएल 2023 से लागू है. 'पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे. इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है.

8वें वार्षिक पुरस्कार 2025 के लिए नॉमिनी की घोषणा

नयी दिल्ली, 23 मार्च. हॉकी इंडिया ने सोमवार को हॉकी इंडिया 8वें वार्षिक पुरस्कार 2025 के लिए नॉमिनी की घोषणा की. यह पुरस्कार समारोह शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित होगा.

इस पुरस्कारों के लिए आठ श्रेणियों में 32 नॉमिनियों को अंतिम सूची में शामिल किया गया है. इन पुरस्कारों के माध्यम से 2025 में भारतीय हॉकी में बेहतरीन प्रदर्शन और योगदान देने वाले खिलाड़ियों और अन्य को सम्मानित किया जाएगा. पुरुष और महिला वर्ग में सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ़ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किया जाएगा. सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में हार्दिक, सुखजीत, संजय और अभिषेक शामिल है. इसके अलावा उभरती हुई प्रतिभाओं को 'हॉकी इंडिया जुगराज सिंह अपकमिंग प्लेयर ऑफ़ द ईयर (पुरुष – अंडर 21)' और 'हॉकी इंडिया असुंता लाकरा अपकमिंग प्लेयर ऑफ़ द ईयर (महिला – अंडर 21)' पुरस्कार दिए जाएंगे. 'हॉकी इंडिया बलजीत सिंह गोलकीपर ऑफ़ द ईयर', 'हॉकी इंडिया परगट सिंह डिफेंडर ऑफ़ द ईयर', 'हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ़ द ईयर', और 'हॉकी इंडिया धनराज पिल्ले फॉरवर्ड ऑफ़ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे.

जेजे स्मिट बने नामीबिया के घरेलू लीग 2 के कप्तान

विंडहोक, 23 मार्च नामीबिया ने अगले महीने यहां ओमान और स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाली आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 ट्राई-सीरीज के लिए ऑलराउंडर जेजे स्मिट को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है.

तीनों टीमें चल रही लीग 2 प्रतियोगिता के हिस्से के तौर पर दो अप्रैल से कुल छह मैच खेलेंगी. इस टूर्नामेंट के आखिर में शीर्ष चार टीमों को अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के मुख्य क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में जगह मिलेगी. नामीबिया अभी लीग 2 की स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है और शीर्ष चार टीमों की दौड़ में बने रहने के लिए उसे घरेलू मैदान पर कुछ अच्छे नतीजों की जरूरत होगी. स्मिट विंडहोक में होने वाली ट्राई-सीरीज में जेजे स्मिट कप्तान की भूमिका निभाएंगे. नामीबिया ने 15 सदस्यीय टीम में विलियम लॉटरिंग और ज़ैचियो जानसेन वैन वुरेन जैसे नए खिलाड़ियों को शामिल किया है. इस टीम में कई ऐसे स्टार खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में हिस्सा लिया था. इस सीरीज में नामीबिया का पहला मैच 4 अप्रैल को ओमान के खिलाफ होगा.

अरुंधति को मिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार

दुबई, 23 मार्च भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है.

अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है. यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है. तेज गेंदबाज अरुंधति ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है, और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला. ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता, और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज़्यादा मायने रखता है.

अइस सीरीज़ जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं. हमारी टीम काफी संतुलित है. और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नज़रें टिकी होंगी.' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं. उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी. इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था. उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार भी मिला था.

फुटबॉल मुकाबला ब्रायन सांचेज़ के दो गोल, इंटर काशी की कोशिश नाकाम

बेंगलुरु की शानदार जीत से काशी पर बना दबदबा

चेन्नई, 23 मार्च 2026 भारतीय फुटबॉल मुकाबले में बेंगलुरु एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंटर काशी को 3-1 से हराकर अपनी ताकत का जोरदार प्रदर्शन किया. इस मुकाबले के हीरो ब्रायन सांचेज़ रहे, जिन्होंने दो अहम गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की.

मैच के दौरान इंटर काशी ने वापसी की पूरी कोशिश की, लेकिन बेंगलुरु की आक्रामक रणनीति और मजबूत नियंत्रण के आगे उनकी एक नहीं चली. मैच की शुरुआत से ही बेंगलुरु एफसी ने आक्रामक रुख अपनाया. शुरुआती मिनटों में ही टीम ने इंटर काशी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था. इसका फायदा उन्हें 19वें मिनट में मिला, जब आशिक कुरुनियान ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई. इस गोल के बाद बेंगलुरु का आत्मविश्वास और बढ़ गया और उन्होंने लगातार आक्रमण जारी रखा. इंटर काशी ने हार नहीं मानी और जवाबी हमला किया. 37वें मिनट में अल्फ्रेड प्लानास ने बेहतरीन गोल कर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया. यह गोल तेज काउंटर अटैक का नतीजा था, जिसने बेंगलुरु की डिफेंस को चौंका दिया. पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिससे मुकाबला पूरी तरह खुला नजर आ रहा था.

दूसरे हाफ की शुरुआत के साथ ही बेंगलुरु एफसी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया. 68वें मिनट में ब्रायन सांचेज़ ने हेडर के जरिए शानदार गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई. यह गोल सेट पीस से आया और इसने मैच का रुख बेंगलुरु की ओर मोड़ दिया. इसके बाद इंटर काशी ने बराबरी के लिए कई मौके बनाए, लेकिन उनकी फिनिशिंग कमजोर रही. रोहित दानू और प्रसांत मोहन जैसे खिलाड़ियों को मौके मिले, लेकिन वे गोल करने में सफल नहीं हो पाए. बेंगलुरु की डिफेंस ने भी इस दौरान शानदार प्रदर्शन किया और विपक्षी टीम को ज्यादा मौके नहीं दिए.